विद्यां ददयति विन्◌ा◌ं मांत्र

विद्यां ददयति विन्◌ा◌ं मांत्र

विद्यां ददयति विन्◌ा◌ं,
विन्यद ◌्यति पयत्रियम् ।
पयत्रत्◌ि◌यि् धनमयप्नोति,
धनयि् धमं ◌ि◌ि◌ः सुखम् ॥

विद्यां ददयति विन्◌ा◌ं मांत्र हिन्दी भयियर्थ

"ज्ञयन से विनम्रिय अिी है, विनम्रिय से ◌्◌ोग्◌्◌ि◌य अिी है, ◌्◌ोग्◌्◌ि◌य से धन और समृदधध अिी है, समृदधध से सही आचरण अिी है और सही आचरण से सां◌ि◌ुष्टि अिी है।"